जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 334 प्रभात उदयपुर, रविवार 6 अक्टूबर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

एग्ज़िट पोलः हरियाणा में एक दशक बाद कांग्रेस सत्ता में आयेगी

जम्मू-कश्मीर में एग्ज़िट पोल के बाद अनिश्चय की स्थिति नज़र आ रही है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। एग्ज़िट पोल के अनुसर हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस हरियाणा में जोरदार वापसी कर रही है।

एग्ज़िट पोल्स के अनुसार हरियाणा में 55-62 सीटों पर कांग्रेस जीत रही है, वही जम्मू-कश्मीर में राजनैतिक अनिश्चितता है, जहाँ भाजपा निर्दलियों व छोटे दलों के सहयोग से सरकार बनाने में एड़ी-चोटी का जोर लगा देगी।

सत्तारूढ़ भाजपा को हरियाणा में तीसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद थी, पर सर्वे के अनुसार 20-32 सीटों पर सिमटती नज़र आ रही है। हरियाणा में शाम 5 बजे तक 61 प्रतिशत मतदान हो चुका था।

एग्ज़िट पोल्स में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत दिया जा रहा है।

रिपब्लिक टी.वी.-पी मार्क एग्ज़िट पोल में काग्रेस को 55 से 62, भाजपा को 18-24 सीटें दी गई है। इसमें जे.जे.पी. को 0-3, आई.एन.एल.डी. को 3-6 सीटें दी गई है, वहीं आप का तो खाता भी खुलता नहीं दिख रहा है।

- **नैशनल कॉन्फ्रैंस व कांग्रेस गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में 43 सीटें मिलने की आशा है, एग्ज़िट पोल के अनुसार। भाजपा की लगभग 27 सीटों पर जीतने की संभावना है तथा पी.डी.पी. आठ सीटों पर सिमट सकती है। पर, छोटी-छोटी क्षेत्रीय पार्टियां 18 सीटों पर जीत सकती हैं।**
- **जम्मू में 41 प्रतिशत वोट पाकर भाजपा 27 से 31 सीटों पर जीत सकती है तथा नैशनल कॉन्फ्रैंस और कांग्रेस गठबंधन दूसरे स्थान पर रह सकता है, 37 प्रतिशत मत प्राप्त करके। यानि, 11-15 सीटों पर गठबंधन विजयी हो सकता है तथा पी.डी.पी. 4 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करके, अधिकतम दो सीटों पर जीत सकती है।**
- **भाजपा, निर्दलीय व छोटी-छोटी क्षेत्रीय पार्टियों के विधायकों को साथ लेकर, जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने की पूरी कोशिश कर सकती है।**

हरियाणा विधानसभा में 90 सीटें हैं, बहुमत के लिए 46 सीटें चाहिए, अधिकांश एग्ज़िट पोल कांग्रेस को 44 से 61 सीटें दे रहे है।

कुछ कांग्रेसी नेताओं ने तो मंत्रिमंडल बनाने की योजना पर काम शुरु कर दिया है, इस पर हुड्डा ने कहा, ये काल्पनिक सवाल है। आलाकमान तय करेंगे।

कुमारी सैलजा और रणदीप सुरेजवाला जैसे नेता मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा जता चुके हैं। जब हुड्डा से पूछा गया कि क्या सैलजा मुख्यमंत्री बनेगी। हुड्डा ने कहा, ये लोकतंत्र है, कोई भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जता सकता है। आप भी यह इच्छा पाल सकते हैं। पर, मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह विधायक तय करेंगे और आलाकमान तय करेगा।

हुडडा ने 27 सितम्बर को एक रैली में कहा था, कांग्रेस को हरियाणा में विशाल जनादेश मिलेगा। उन्होंने पार्टी में अर्न्तकलह की बात खारिज कर दी और कहा कि मुख्यमंत्री पद के ज्यादा दावेदार होंगे तो पार्टी को मजबूती मिलेगी।

हुड्डा के इस दावे के बावजूद भी कांग्रेस आलाकमान के लिए हरियाणा में जाट नेता को मुख्यमंत्री नहीं बनाना काफी कठिन होगा। मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी तीनों को अपनी सारी क्षमता दिखानी होगी, राज्य के तीनों नेताओं के बीच बैलैन्स बनाने में।

यद्यपि हरियाणा में शानदार जीत मिलने से पूरे देश में कांग्रेस के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा और झारखंड, महाराष्ट्र व दिल्ली के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा जहाँ विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री ने बंजारा विरासत म्यूज़ियम का उद्घाटन किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम कस्बे में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र से संबंधित विभिन्न योजनाएं लाँच कीं इनमें करीब 23,300 करोड़ रूपए की लागत आयेगी।

- **महाराष्ट्र के वाशिम में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के सामाजिक जीवन में बंजारा समुदाय का भारी योगदान है।**

उन्होंने "नमो शेतकारी महासम्मान निधि योजना" की 20,000 करोड़ रूपए की पाँचवीं किस्त जारी की, तथा "एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड" (ए.आई.एफ.) के तहत 1920 करोड़ रूपए से ज्यादा लागत के 7,500 प्रोजैक्ट राष्ट्र को समर्पित किये। इसके अलावा, उन्होंने करीब 1300 करोड़ रूपए के कुल टर्न ओवर वाले 9,200 "फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशंस" (एफ.पी.ओ.) भी राष्ट्र को समर्पित किये।

मोदी ने "मंख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना-2.0 के तहत, पूरे महाराष्ट्र में 19 मैगावाट की कुल क्षमता के 5 सोलर पार्क भी राष्ट्र को समर्पित किये। प्रधानमंत्री ने "बन्जारा विरासत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जद (यू) ने नीतीश कुमार के लिए भारत रत्न मांगा

सवाल यह है कि क्या जद (यू) बिहार विधानसभा चुनाव से पूर्व नीतीश को सक्रिय राजनीति से बाहर करना चाहता है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। नीतीश कुमार को "भारत रत्न" दिये जाने की माँग कर के, क्या जद (यू) उन्हें अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले ही सक्रिय राजनीति से ससम्मान विदा करना चाह रहा है?

शनिवार को, जब जद (यू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग चल रही थी, नीतीश कुमार को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिये जाने की माँग करने वाले पोस्टर बीरचन्द पटेल मार्ग, स्थित पार्टी कार्यालय के नज़दीक तथा राज्य की राजधानी के अन्य कई प्रमुख स्थानों पर लगे हुये थे। ये पोस्टर पार्टी विधायक छोटू सिंह द्वारा प्रायोजित थे।

इससे पहले भी, "भारत रत्न" बहुत से राजनेताओं को मिल चुका है, लेकिन यह अवॉर्ड अधिकांशतः मरणोपरान्त या फिर उस समय दिया गया, जब वे सक्रिय राजनीति को अलविदा कह देते थे। चरणसिंह, पी.वी. नरसिम्हा राव, कर्पूरी ठाकुर, मदन मोहन मालवीय जैसी सभी महान हस्तियों को यह मरणोपरान्त दिया गया है। जीवित राजनेताों में, लाल कृष्ण आडवाणी देश के इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान को पाने वाले असाधारण श्रेणी के राजनेता रहे हैं। सुविदित है कि आडवाणी 2014 से भाजपा के "मार्गदर्शक मंडल" में हैं।

- **पटना में जद (यू) के मुख्यालय और अन्य जगहों के आस-पास ऐसे कई पोस्टर लगे हैं, जिनमें नीतीश को भारत रत्न देने की मांग की गई है।**
- **अब तक कई नेताओं को भारत रत्न मिला हैं, अधिकांश को मरणोपरांत ही यह सम्मान मिला हैं। जिन्हें जीवित रहते यह भारत रत्न मिला है, उन्हें राजनीति से रिटायर कर दिया गया।**

इसलिये, प्रश्न यह है कि इस समय नीतीश कुमार के लिए "भारत रत्न" की माँग करके, जद (यू) आखिर क्या हासिल करना चाहता है?

नीतीश कुमार के प्रासंगिक बने रहने तथा जीवन्तता का अहसास कराते रहने का कौशल एवं क्षमता अद्वितीय माने जाते हैं। नीतीश कुमार 2005 से लगातार बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं, सिवाय एक साल के, जब जीतनराम मांझी मुख्यमंत्री बने थे। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले, बिहार में एन.डी.ए. गठबंधन के असंदिग्ध नेता की स्थिति को बनाये रखने के लिये जरूरी कदम उठाते आ रहे हैं, लेकिन "भारत रत्न" के माँग ने इस प्रकार की संभावनाओं पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

बिहार के राजनैतिक परिदृश्य की जटिलताएं, खासतौर से "लालू-नीतीश के 30 वर्षों के कुशासन" के खिलाफ प्रशांत किशोर के आक्रामक प्रचार अभियान के जोर पकड़ने से और भी ज्यादा जटिल होती जा रही हैं। इस स्थिति को लेकर राज्य भाजपा की अधीरता बढ़ती जा रही है कि भगवा पार्टी कुमार के बोझ को लगातार ढोये जा रही है तथा राज्य भाजपा की यह मनःस्थिति कुमार के लिये घबराहट का कारण बन रही है। पिछले दिनों में, ऐसे अनेक अवसर सामने आये हैं, जब जद (यू) और भाजपा नेताओं का विवाद सार्वजनिक हुआ है। शुक्रवार को इसी प्रकार की एक मीटिंग में, जब एक जद (यू) नेता ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निलम्बित मेयर को अभिरक्षा में ए.सी.बी. कोर्ट ने जमानत दी

सह आरोपियों को हाई कोर्ट से जमानत मिलने के कारण मुनेश गुर्जर को जमानत दी गई

जयपुर, 5 अक्टूबर। नगर निगम के पट्टे जारी करने की एवज में रिश्वत लेने से जुड़े मामले में हेरिटेज नगर निगम की निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर ने शनिवार को ए.सी.बी. मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 में समर्पण किया, जहां अदालत ने उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में लिया, हालांकि बाद में अदालत ने उसकी जमानत अर्जी को स्वीकार कर 25 हजार रुपए की दो जमानत व स्वयं के 50 हजार रुपए के मुचलके पर उन्हें रिहा करने के आदेश दिए। अदालत ने मामले के सह आरोपियों की जमानत हाईकोर्ट पूर्व में स्वीकार कर चुका है। मुनेश पर लगाए गए आरोप इन आरोपियों से अलग नहीं है। इसके अलावा जांच एजेंसी की ओर से ऐसा कोई साक्ष्य अदालत में पेश नहीं किया गया है, जिससे यह माना जा सके कि वे जमानत लेने के बाद गवाहों को प्रभावित करेंगी या ट्रायल में बाधा डालेंगी। इसके अलावा, प्रकरण में चालान पेश किया जा चुका है, इसलिए आरोपी की जमानत अर्जी स्वीकार की जाती है।

- **अभी तक कोर्ट में पेश नहीं हुई पूर्व मेयर ने शनिवार के विशेष अदालत-1 में समर्पण किया। अदालत ने उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में लिया तथा बाद में उनकी जमानत की अर्जी स्वीकार की।**
- **शिकायतकर्ता के वकील ने कहा, ए.सी.बी. को निलम्बित मेयर के घर से 6 पत्रावलियां और 41 लाख रूपये बरामद हुए थे। उनके कार्यकाल में 7,500 पट्टे जारी किये गये।**

जमानत अर्जी में अधिवक्ता दीपक चौहान ने अदालत को बताया कि मामले में जांच पूरी होकर आरोप पत्र पेश हो चुका है। ए.सी.बी. ने मुनेश को अभिरक्षा में लेकर अनुसंधान करने की जरूरत नहीं समझी और ना ही उसे अभिरक्षा में लिया गया। उसके खिलाफ आरोप पत्र पेश होने की सूचना पर वह वकील के जरिए पेश हो गई थी। इसके अलावा, प्रकरण के परिवादी सुधांशु सिंह का कोई काम निगम में लंबित नहीं था और जिन लोगों के पट्टे लंबित थे, उनकी ओर से ए.सी.बी. में शिकायत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्रपति शिवाजी की मूर्ति का अनावरण किया राहुल ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया और कसम खाई कि वे शिवाजी महाराज के आदर्शों के लिए लड़ते रहेंगे। ताकि देश में सभी आगे बढ़ें किसी के साथ भी अन्याय ना हो।

- **कोल्हापुर में हुए इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि वे छत्रपति के आदर्शों के लिए संघर्ष करेंगे।**

उन्होंने कहा भारत में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक वो जो संविधान व समानता के लिए है, दूसरी वह जो संविधान को खत्म करना चाहती है।

राहुल ने कहा, यह राजनैतिक लड़ाई नहीं है बल्कि विचारधारा की लड़ाई है जो शिवाजी महाराज के समय से चल रही है।

पैंथर ने बाइक सवार दूध वाले को शिकार बनाने की कोशिश की

सर्च टीम ने रणनीति बदली, अब बिना शोर किये पैंथर की तलाश की जा रही है

उदयपुर, 5 अक्टूबर (कासं)। उदयपुर में आदमखोर घोषित पैंथर को पकड़ने के अब तक के सभी प्रयास नाकाम रहे हैं। पैंथर जंगल और पहाड़ों पर सर्च टीम को भी चकमा दे रहा है। शुक्रवार रात को एक बार फिर आदमखोर ने दो हमले किए। सड़क किनारे छुपे पैंथर ने एक बाइक सवार का 200 मीटर तक पीछा किया, युवक ने बड़ी मुश्किल से अपनी जान बचाई। पैंथर एक घर में भी घुस गया, यहां उसने गायों पर हमला किया। दोनों हमले सायरा वन रेंज के पास ढोल गांव में हुए।

शुक्रवार रात को अंधेरे में पैंथर बाइक सवार दूध वाले पर लपका और 200 मीटर के आसपास उसका पीछा भी किया। दूधवाला बाइक को भगा ले गया और उसकी जान बच गई। बताया जा रहा है कि पैंथर अब उस इलाके से 25 किलोमीटर दूर की रेंज में आ गया है, जहां पर उसे तलाशा जा रहा है। सर्च टीम उसे लगातार तलाश कर रही है मगर गोगुंदा रेंज में पैंथर के हमले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। गोगुंदा और बडगांव ब्लॉक के आस पास के जंगलों में एमरजैंसी रैस्पाँस टीम के नेतृत्व में वन विभाग की पूरी टीम उसकी तलाश कर रही है। पैंथर यहां से आगे निकल गया है और शुक्रवार को गोगुंदा ब्लॉक की सायरा वन रेंज के ढोल गांव में शिकार की तलाश में दिखाई दिया। इस घटना से वन विभाग की पूरी टीम की दिक्कतें और अधिक बढ़ गई हैं।

- **मोटर साइकिल दूध सवार दूध वाले, कालू सिंह और एक घर में घुस कर गायों पर हमला, पैंथर की ये दोनों घटनायें सायरा वन रेंज के पास ढोल गाँव की हैं।**
- **गोगुंदा रेंज में पैंथर के हमले कम नहीं हो रहे हैं। रोज पैंथर सर्च टीम को चकमा देकर भागने में कामयाब हो रहा है।**

सरदारपुरा गांव के रहने वाले कालू सिंह ने मीडिया को बताया कि वह रोज शाम को बाइक पर दूध की सप्लाई करने जाता है। शुक्रवार शाम को साढ़े सात बजे के आस पास वह ढोल गांव में सरकारी स्कूल से करीब एक किलोमीटर आगे निकला और कमोल रोड पर आया। यहां पर सड़क के पास दुबक कर बैठे पैंथर ने उस पर अचानक हमला कर दिया। बाइक की लाइट पड़ते ही पैंथर इधर-उधर हुआ। लेकिन फिर तुरंत नजदीक आ गया। पैंथर को देखकर वह डर तो गया मगर तुरंत मोटर साइकिल को तेज गति से चलाते हुए शोर मचाकर वहां से निकल गया। पैंथर ने कुछ दूरी तक बाइक का पीछा किया। उसने गांव में पहुंच कर लोगों को यह बात बताई तो लोग सतर्क हो गए व लठ लेकर गश्त आरंभ कर दी।

इसी प्रकार ढोल गांव में ही बस स्टैंड के पास शुक्रवार रात करीब ढ़ाई बजे पैंथर गांव में घुस गया। यहां उसने ग्रामीण पन्ना गिरी के बाड़े में बंधी गायों पर हमला कर दिया। गायों की आवाज़ से परिवार के सदस्य जाग गए और बाड़े की तरफ लाठियां लेकर दौड़े। इसके बाद पैंथर वहां से भाग गया।

अब पैंथर को काबू करने की रणनीति बदली गई है। शूटर और पुलिसकर्मी चुपचाप शिकारी की तरह जंगल में पोज़िशन लेकर पैंथर का इंतजार कर रहे हैं। पानी और शिकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'20 दिन में दो लाख महिलाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाम्बा ने शनिवार को बताया कि 15 सितम्बर के बाद से 20 दिन में लगभग दो लाख महिलाओं ने कांग्रेस जॉइन की है।

- **महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लाम्बा ने यह जानकारी दी और दावा किया कि हरियाणा में महिलाओं ने ऑनलाइन कांग्रेस की सदस्यता ली और पार्टी को वोट दिया है।**

उन्होंने एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में बताया कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है जिसने संविधान को बचाने का निर्णय किया है। उनकी पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। लाम्बा ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यह भांपते हुए कि स्थिति कुछ ठीक नहीं है, भाजपा ने मोदी की छवि व लोकप्रियता को आधार नहीं बनाया था चुनाव में

बहुत सोच-समझकर चुनाव अभियान के मध्य में ही भाजपा ने चुनावी रणनीति बदली, अब चुनाव अभियान का फोकस प्र.मंत्री मोदी पर नहीं था, विशेषकर हरियाणा में तथा फोकस रोज़गार आदि मुद्दों पर था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर। शनिवार शाम को हरियाणा में विधानसभा चुनाव खत्म हुए। नब्बे सीटों के लिए हुए इस चुनाव में एग्ज़िट पोल्स ने कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत दिया है। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में हुए चुनावों में कांग्रेस -नैशनल कॉन्फ्रैंस को पहली भविष्यवाणी में बढ़त की बात कही गई है।

एक्सिस माय-इण्डिया, सी-वोटर, नीलसन एण्ड चाणक्य- आदि, या तो स्वतंत्र रुप से या न्यूज़ चैनलों के साथ शाम 6:30 बजे बाद हरियामा व जम्मू-कश्मीर चुनावों के अपने एग्ज़िट पोल नम्बर लाइव स्ट्रीम करेंगे।

वास्तविक मतगणना तो 8 अक्टूबर को होगी, लेकिन, आज की भविष्यवाणियाँ इन चुनावों के निष्कर्ष के लिए मंच तैयार करेंगी। चुनाव आयोग अब महाराष्ट्र व झारखण्ड में विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रहा है, जिनकी तारीख अगले सप्ताह घोषित हो सकती है।

जम्मू और कश्मीर में कई कारणों से ये विधानसभा चुनाव ऐतिहासिक हैं। सन् 2019 में धारा 370 रद्द करने के बाद होने वाले ये पहले विधानसभा चुनाव हैं, तथा तकरीबन 70 दशकों में पहली बार कई समुदायों, जैसे पाकिस्तानी रिफ्यूजी, वाल्मीकी एवं गुरावा, को मतदान का अधिकार दिया गया है। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में हुए मतदान के तीसरे चरण में 69.65 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया।

जम्मू-कश्मीर चुनावों के परिणाम इस केन्द्र शासित प्रदेश की राजनीतिक दिशा तय करेंगे। एग्ज़िट पोल्स के परिणाम इस बात का संकेत देंगे कि क्या उन समुदायों ने परंपरागत वोटिंग पैटर्न को बदला है, जिन्हें हाल ही में मतदान का अधिकार मिला है। या फिर, वर्तमान शक्ति संरचना वैसी की वैसी बनी रहेगी।

- **कांग्रेस, हालांकि जीतती नज़र आ रही है हरियाणा में पर देखना है कि बड़े नेताओं, भूपेन्द्र हुड्डा, सैलजा व रणदीप सुरजेवाला की मु.मंत्री बनने की लालसा के बीच कैसे संतुलन बिठाती है।**
- **जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 के हटने के बाद यह पहला चुनाव है तथा पहली बार कई समूहों को, जैसे वैस्ट पाकिस्तान के शरणार्थी, वाल्मीकि व गुरखा को मतदान का अधिकार मिला है। अतः चुनाव परिणामों से ज्ञात होगा कि इन नए "एम्पावर्ड" समुदायों से जम्मू-कश्मीर के परम्परागत चिर-परिचित मतदाताओं के "वोटिंग पैटर्न" में कुछ और कितना परिवर्तन हुआ है, जिससे सत्ता के ढांचे में भी बदलाव आया है।**

पूर्व के विधानसभा चुनावों में, अधिकतर एग्ज़िट पोल्स ने भाजपा के लिए निर्णायक जीत की भविष्यवाणी की थी। इण्डिया टुडे ने कहा था कि भाजपा को 38, कांग्रेस को 36 तथा अन्य पार्टियों को 8 सीटें मिलेंगी। इसी प्रकार ए.बी.पी.-सी वोटर ने भाजपा के लिए 72 सीटें तथा कांग्रेस के लिए 8 सीटों की भविष्यवाणी की थी। जबकि, न्यूज़ 18- आई.पी.एस.ओ.एस का आकलन था कि भाजपा को 75 और कांग्रेस को 10 सीटें मिलेंगी। तथापि, चुनाव के बाद त्रिशंकु विधानसभा सामने आई, किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। अंततः भाजपा ने, जे.जे.पी. तथा कई निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार का गठन किया।

हरियाणा में, एन.डी.टी.वी. के "पोल ऑफ पोल्स" के अनुसार दस वर्षों के बाद कांग्रेस की मजबूत वापसी होगी। इसने पार्टी को 55 से 62 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की है। सर्वे के अनुसार, सत्तारुढ़ भाजपा, जो राज्य में हैट्रिक बनाने का प्रयास कर रही है 20 से 32 सीटें जीत सकती है।

दैनिक भास्कर एग्ज़िट पोल्स ने हरियाणा में 44-45 सीटों पर कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की है। पीपुल्स पल्स के अनुसार, सत्तारुढ़ भाजपा 26 सीटों के साथ बहुत पीछे है।

जननायक जनता पार्टी (जे.जे.पी.) और इण्डियन नैशनल लोक दल (आई.एन.एल.डी.) जैसी क्षेत्रीय पार्टियाँ, जिन्होंने पिछली बार हरियाणा में भाजपा को समर्थन दिया था, इस बार अपना आधार खो रही हैं।

सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने, यह महसूस करते हुए कि हरियाणा के मतदाताओं के लिए आजीविका के मुद्दे अधिक मायने रखेंगे, चुनाव से पहले ही प्रचार अभियान के दौरान अपनी रणनीति में परिवर्तन कर लिया था।

पार्टी ने, पिछले दशक की राज्य सरकार की उपलब्धियों पर फोकस किया, बजाय प्रधानमंत्री मोदी की छवि तथा लोकप्रियता पर निर्भर रहने के। एक दशक में पहली बार ऐसा हुआ कि भाजपा के चुनाव अभियान में सिर्फ मोदी ही छाए हुए नहीं थे।

शनिवार को एक चरण में हुए मतदान के बाद कांग्रेस अपनी जीत को लेकर आश्वस्त लग रही है और वरिष्ठ नेता, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा तथा कुमारी सैलजा मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आगे लग रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घोड़े पर मतदान करने पहुँचे नवीन ज़िन्दल

चंडीगढ़ , 05 अक्टूबर। हरियाणा में कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद नवीन जिंदल घोड़े पर बैठकर मतदान करने पहुंचे।

- **नवीन ज़िन्दल कुरुक्षेत्र से भाजपा के सांसद हैं। उनकी माँ सावित्री ज़िन्दल भाजपा का टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं।**

सफेद कुर्ते पाजामे पर नीली जैकेट पहने जिंदल ने मतदान की अपनी तस्वीरें साझा करते हुये सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुये मतदान किया, ताकि हमारा लोकतंत्र और मजबूत हो। आप सभी से आग्रह है कि जायें, वोट दें और सही चुनाव करें। यह निश्चित है कि हरियाणा में भाजपा ही सरकार बनायेगी, इसलिये अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, क्योंकि आपका प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)